नईदुनिया

चीन को उन्नत चिप बेचने पर अमेरिका में बहस तेज

जिनपिंग के सामने उठेगा एआई चिप का मुद्दा

एनवीडिया विवाद के बीच चीन जाएंगे डोनाल्ड ट्रंप

हुआंग के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति की यात्रा पर नजर



वाशिंगटन, एजेंसीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले दोनों देशों के बीच तकनीक और व्यापार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस यात्रा में ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात पर दुनिया की नजर रहेगी। खास तौर पर चीन को उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप बेचने के मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन का रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यह घटनाक्रम एनवीडिया से जुड़े विवाद के बीच सामने आया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद अमेरिका में चीन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित चिप बेचने की अनुमति देने को लेकर बहस तेज हो गई है। इस मुद्दे पर अमेरिकी नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल उठाए जा रहे हैं। एनवीडिया दुनिया की प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप निर्माता कंपनियों में शामिल है। उसकी चिप का उपयोग बड़े संगणकीय कार्यों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों को विकसित करने में किया जाता है। चीन को ऐसी तकनीक की आपूर्ति को लेकर अमेरिका में लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। अमेरिकी प्रशासन की ओर से उन्नत तकनीक के निर्यात पर प्रतिबंध और नियंत्रण लगाने के कदम भी उठाए गए हैं।

ट्रंप की चीन यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं। चीन को उन्नत चिप की आपूर्ति से जुड़ा विवाद दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में जिनपिंग के साथ बातचीत के दौरान इस विषय पर चर्चा होने की संभावना है।

इस यात्रा में ट्रंप का रुख कितना सख्त रहेगा, यह महत्वपूर्ण सवाल है। चीन को तकनीक बेचने के मुद्दे पर अमेरिका के भीतर अलग-अलग विचार सामने आते रहे हैं। एक ओर व्यापारिक हित हैं, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी बढ़त बनाए रखने की चिंता है। ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात से यह संकेत मिल सकता है कि आने वाले समय में दोनों देश तकनीक और व्यापार के मामलों में किस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

जान की परवाह नहीं, अपने लोगों के बीच लौटना चाहती हूं : शेख हसीना



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को कहा कि यदि देश की जनता चाहेगी तो वह एक बार फिर सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटने की बात दोहराते हुए कहा कि उन्हें गिरफ्तारी या मौत की सजा का डर नहीं है। एक साक्षात्कार में हसीना ने कहा कि देश लौटने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, जेल भेजा जा सकता है या उनकी जान भी जा सकती है। इसके बावजूद वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने लोगों के बीच रहना चाहती हैं और इसके लिए अपनी जान की परवाह भी नहीं करेंगी। हसीना ने बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं और इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भारत से प्रत्यर्पण की मांग पर उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र देश है।

पाकिस्तानी बंदरगाह की मंजूरी के इंतजार में छह भारतीय नाविक

ईरानी कंपनी और बंदरगाह प्रशासन के विवाद में अटका जहाज, भारत सरकार लगातार संपर्क में



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर मालवाहक जहाज 'केवर' में फंसे छह भारतीय नाविकों की स्वदेश वापसी में देरी हो रही है। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। उनकी जगह काम संभालने के लिए छह अन्य नाविक तैयार हैं, लेकिन उन्हें जहाज पर चढ़ने की औपचारिक अनुमति मिलने का इंतजार है। यह मंजूरी कराची बंदरगाह प्रशासन को देनी है। अधिकारी ने बताया कि जहाज के मालिकों की ओर से छह राहतकर्मियों को जहाज पर भेजने के लिए आवश्यक आवेदन किया जा चुका है। ये सभी कर्मचारी पाकिस्तान में ही एक होटल में ठहरे हुए हैं और अनुमति मिलते ही जहाज पर पहुंच सकते हैं। भारतीय उच्चायोग और विदेश मंत्रालय संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। सरकार पूरे मामले पर नजर रख रही है।

कराची बंदरगाह पर जहाज पहुंचने के बाद ईरान की जहाजरानी कंपनी और बंदरगाह अधिकारियों के बीच विवाद के कारण इसे रोक दिया गया था। जहाज 17 अप्रैल को कराची पहुंचा था। तब से छह भारतीय नाविक वहीं फंसे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी मुख्य अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा भी शामिल हैं। विनीत के परिवार के अनुसार, उनका छह महीने का रोजगार अनुबंध अगस्त में समाप्त हो गया था, लेकिन उन्हें जहाज से औपचारिक रूप से कार्यमुक्त नहीं किया गया। परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि जहाज की बिजली आपूर्ति बंद है, भोजन-पानी की परेशानी है और नाविकों के पासपोर्ट भी रोक लिए गए हैं। परिजनों की उनसे लगभग 15 से 20 दिन में एक बार ही बात हो पाती है। परिवार ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और विदेश मंत्रालय से सभी नाविकों की सुरक्षित वापसी के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की है। फिलहाल उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को चुप रहने की हिदायत देने वाले सैनिक को पदक

पीट हेगसेथ ने पेंटागन बुलाकर किया सम्मानित, युद्ध स्मारक के पास हंसने और बातचीत करने पर जताई थी आपत्ति



वाशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने उस सैनिक को पदक देकर सम्मानित किया है, जिसने युद्ध स्मारक के पास उन्हें और उनके साथ मौजूद लोगों को चुप रहने की हिदायत दी थी। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर स्मारक स्थल पर अनुशासन और शांति बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया था। घटना के अगले दिन गुरुवार को हेगसेथ ने थॉमस को पेंटागन बुलाया और उन्हें संयुक्त सेवा प्रशस्ति पदक प्रदान किया।

रक्षामंत्री ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सामाजिक माध्यमों पर साझा करते हुए सैनिक की सराहना की। उन्होंने लिखा कि उन्हें अपने सैनिकों से प्यार है और वे अनुशासन तथा नियमों के पालन को महत्व देते हैं। उन्होंने सैनिक को अपना काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। दरअसल, 11 नवंबर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षामंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर और तीन सलाहकारों के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोग आपस में बातचीत करने लगे और हंसने लगे। समाधि की सुरक्षा में तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने यह देखकर उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा कि सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।

ईरान में इजरायली प्रधानमंत्री के हमशक्ल की चर्चा, दुकानदार का वीडियो प्रसारित

बेंजामिन नेतन्याहू से चेहरे की समानता देखकर लोग हुए हैरान, तेहरान का मामला चर्चा में



तेहरान, एजेंसीः ईरान की राजधानी तेहरान में सूखे मेवे और मिठाइयां बेचने वाला एक दुकानदार इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी वजह उसके चेहरे की इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलती-जुलती शक्ल है। दुकानदार का एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद लोग उसकी तुलना नेतन्याहू से कर रहे हैं।

वीडियो में दुकानदार अपनी दुकान पर ग्राहकों के बीच नजर आ रहा है। उसके चेहरे और हावभाव में नेतन्याहू से समानता दिखाई देने के कारण लोगों का ध्यान उसकी ओर गया। देखते ही देखते यह वीडियो प्रसारित होने लगा और दुकानदार की पहचान को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ गई। ईरान और इजरायल के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंध रहे हैं। ऐसे में ईरान की राजधानी में नेतन्याहू जैसा दिखने वाला व्यक्ति सामने आने की खबर ने लोगों का ध्यान और अधिक खींचा है। सामाजिक माध्यमों पर लोग इस समानता को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग दुकानदार की तस्वीर और नेतन्याहू की तस्वीर की तुलना कर रहे हैं, जबकि कई लोगों ने इसे संयोग बताया है। दुकानदार का व्यवसाय सूखे मेवे और मिठाइयां बेचना है, लेकिन चेहरे की समानता के कारण वह अचानक चर्चा में आ गया है। सामाजिक माध्यमों पर किसी व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो का प्रसारित होना उसे रातोंरात चर्चा में ला सकता है। तेहरान के इस दुकानदार के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। फिलहाल उसकी पहचान से अधिक उसके चेहरे की नेतन्याहू से मिलती-जुलती शक्ल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

महादेव सट्टा प्रकरण में सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार ओमान से भारत लाया गया



नईदुनिया ब्यूरो, रायपुरः महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इसके प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया है। उसे ओमान से भारत लाया गया है। जांच एजेंसी लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। चंद्राकर पर ऑनलाइन सट्टे के अवैध कारोबार के जरिए बड़े पैमाने पर धन अर्जित करने का आरोप है।

जांच के अनुसार, महादेव ऑनलाइन सट्टा मंच के माध्यम से हर महीने करीब 450 करोड़ रुपये की कमाई की जाती थी। इस कारोबार का संचालन कथित तौर पर कई स्तरों पर फैले नेटवर्क के जरिए किया जा रहा था। जांच एजेंसियों का आरोप है कि सट्टे के इस कारोबार से अर्जित धन का इस्तेमाल विभिन्न माध्यमों से किया जाता था।

सौरभ चंद्राकर उस समय भी चर्चा में आया था, जब उसकी शादी में करीब 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की खबर सामने आई थी। शादी समारोह में बड़ी संख्या में मेहमानों को बुलाया गया था और भव्य आयोजन किया गया था। इस आयोजन में किए गए खर्च को लेकर भी जांच एजेंसियों ने सवाल उठाए थे। महादेव सट्टा प्रकरण में पहले भी कई स्थानों पर छापेमारी और गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। धन के लेन-देन, कारोबार से जुड़े लोगों और विदेशों में मौजूद संपत्तियों की पड़ताल कर रही हैं।

पीएसएलवी के तीसरे चरण का परीक्षण सफल, इसरो ने किए बड़े बदलाव

पिछले दो अभियानों में इसी चरण में आई थी खराबी, नए स्वरूप को जमीन पर चलाकर परखा



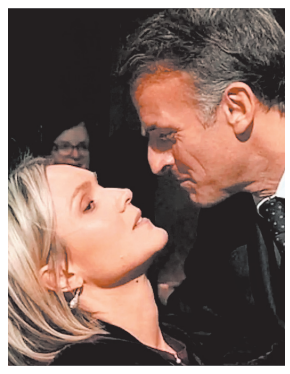
नईदुनिया ब्यूरो, श्रीहरिकोटाः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के तीसरे चरण का जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह वही चरण है, जिसमें पिछले दो अभियानों के दौरान तकनीकी गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद इसरो ने इस चरण की नए सिरे से जांच की और आवश्यक बदलाव कर इसे अधिक मजबूत बनाया।

यह परीक्षण आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की स्थिर परीक्षण सुविधा में किया गया। इस दौरान रॉकेट के तीसरे चरण के ठोस ईंधन वाले इंजन को जमीन पर स्थिर करके चलाया गया और उसकी कार्यक्षमता परखी गई। 12 नवंबर को हुए इस परीक्षण में नया संस्करण सफल रहा। इस सफलता से पीएसएलवी के दोबारा प्रक्षेपण का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 और पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 अभियानों के दौरान तीसरे चरण में गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसके बाद इसरो ने पूरे चरण की विस्तृत जांच की और उसकी संरचना तथा कार्यप्रणाली में बदलाव किए। नए स्वरूप का परीक्षण इसी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा था।

इससे पहले 31 अक्टूबर को इसरो ने जीएसएलवी-एफ18 प्रक्षेपण यान से अगली पीढ़ी का नौवहन उपग्रह एनवीएस-03 प्रक्षेपित किया था। यह उपग्रह भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली की अगली पीढ़ी का तीसरा उपग्रह है। इसका उददेश्य नौवहन सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना है। एनवीएस-03 में स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियां लगाई गई हैं। इसमें पहले से उपलब्ध एल5 और एस बैंड संकेतों के अलावा एल1 नौवहन संकेत भी जोड़ा गया है।

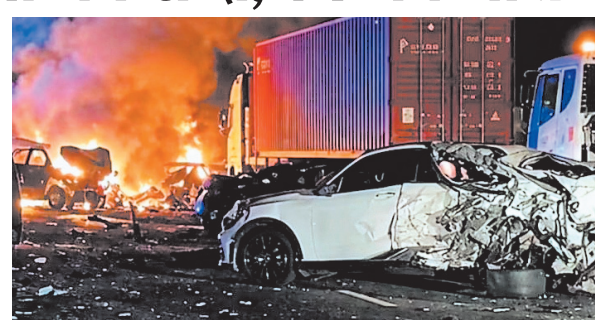
मैक्रों का अभिवादन बना चर्चा का विषय, आइसलैंड की प्रधानमंत्री का वीडियो प्रसारित



फ्रांस, एजेंसीः फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों एक बार फिर महिला नेता के साथ अभिवादन के तरीके को लेकर चर्चा में हैं। इस बार आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रुन फ्रॉस्टाडॉटिर के साथ मुलाकात का एक दृश्य सामने आया है। यूरोपीय नेताओं की बैठक के दौरान मैक्रों उनसे मिलने पहुंचे और गले लगाने के लिए आगे बढ़े, लेकिन फ्रॉस्टाडॉटिर पीछे हटती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने मैक्रों के कंधे पर हाथ रख दिया।

मुलाकात का यह दृश्य कैमरे में कैद हो गया। तस्वीर में फ्रॉस्टाडॉटिर के चेहरे के भाव भी दिखाई दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वह इस अभिवादन को लेकर सहज नहीं थीं। वह पास खड़े छायाकार की ओर भी देखती नजर आईं। दूसरी ओर, मैक्रों मुस्कुराते हुए उनकी ओर झुके। दोनों नेताओं के अलग-अलग हावभाव के कारण यह दृश्य चर्चा का विषय बन गया। मैक्रों इससे पहले इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ मुलाकात के दौरान भी ऐसे ही दृश्यों को लेकर चर्चा में आ चुके हैं। पिछले वर्ष सात देशों के समूह की बैठक के दौरान एक वीडियो सामने आया था, जिसमें मैक्रों मेलोनी के कान में कुछ कहते दिखाई दिए थे। इसके बाद मेलोनी आंखें घुमाती नजर आई थीं।

संयुक्त अरब अमीरात में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को रौंदा, 14 की मौत



फुजैराह, एजेंसीः संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह शहर में गुरुवार देर रात भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कई वाहनों में आग लग गई। मृतकों में तीन भारतीय शामिल हैं, जो केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के सदस्य थे। इनमें जुड़वां भाई-बहन भी शामिल हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के गृह मंत्रालय के अनुसार, हादसे में सात देशों के नागरिकों की जान गई है। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से करीब आधे लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य का इलाज जारी है।

हादसे में जान गंवाने वाले भारतीयों की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वां बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने पीड़ित परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर सहायता उपलब्ध करा रहा है।

हादसा फुजैराह शहर के प्रवेश मार्ग पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। उस समय सड़क पर यातायात धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर चल रहे तथा रुके हुए अन्य वाहनों से जा भिड़ा।

हादसे में कुल 23 वाहन क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें 18 कारें और पांच ट्रक शामिल हैं। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास के वाहनों में फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल मौके पर पहुंचे।

दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम पर विवाद, गानों पर उठी आपत्ति

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबादः पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के 21 नवंबर को होने वाले संगीत कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में शराब और हथियारों का उल्लेख करने वाले गीत नहीं गाने की मांग की गई है।

इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्यक्रम के दौरान ऐसे गीतों पर रोक लगाने की मांग की गई है।

पत्र में कहा गया है कि दिलजीत दोसांझ के कुछ गीतों में शराब, नशे और हथियारों का उल्लेख किया गया है। ऐसे गीतों का युवाओं और बच्चों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए कार्यक्रम में प्रस्तुति देने से पहले गीतों की सामग्री पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई गई है।

मांग में विशेष रूप से ऐसे गीतों को शामिल नहीं करने की बात कही गई है, जिनमें शराब के सेवन, हथियारों के प्रदर्शन या हिंसा का महिमामंडन किया जाता हो। आयोजकों से भी यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि कार्यक्रम में बच्चों और किशोरों के हितों का ध्यान रखा जाए। दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम को लेकर प्रशंसकों में उत्साह है। हालांकि, कार्यक्रम से पहले उठी इस आपत्ति के कारण आयोजन चर्चा में आ गया है।

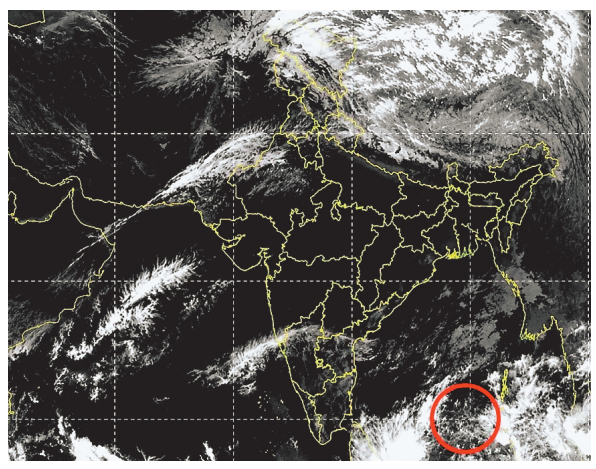
मौसम *मौसम वैज्ञानिक ने दी चेतावनी, चक्रवात में बदल सकता है कम दबाव का क्षेत्र; पहाड़ी इलाकों में फिर होगी बर्फबारी...*

दिल्ली-एनसीआर में 15 नवंबर को आंधी-बारिश की आशंका

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 15 नवंबर को आंधी और हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र 16 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. अखिल श्रीवास्तव ने उत्तर-पश्चिम भारत और हिमालयी क्षेत्रों के मौसम में बदलाव की जानकारी देते हुए यह संभावना जताई है।

डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और आसपास के मैदानी इलाकों को प्रभावित करने वाला पश्चिमी विक्षोभ अब पूर्व की ओर बढ़ गया है। इसके कारण दिल्ली और आसपास के मैदानी क्षेत्रों में इसका सीधा असर कम होने लगा है। इससे पहले हिमालयी राज्यों में अच्छी बर्फबारी हुई थी। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई थी। अब पुराने विक्षोभ के आगे बढ़ने से वहां मौसम साफ होने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 15 नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और देश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से पहाड़ी क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम फिर बिगड़ सकता है और ठंड बढ़ने के आसार हैं।



दिल्ली में अगले कुछ दिनों के दौरान दिन के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आ सकती है। 15 और 16 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 15 नवंबर की सुबह से दोपहर तक कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। 16 नवंबर को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है। इस दिन न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

शुक्रवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 27 से 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सफदरजंग में सुबह मध्यम कोहरा रहा।

सुबह 6:30 बजे दृश्यता घटकर 200 मीटर रह गई थी, जो 8:30 बजे तक सुधरकर 800 मीटर हो गई। पालम में सुबह सात से साढ़े आठ बजे के बीच दृश्यता 1000 मीटर दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान और नए पश्चिमी विक्षोभ पर लगातार नजर रखी जा रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी से आवागमन प्रभावित हो सकता है, जबकि मैदानी इलाकों में तापमान गिरने से ठंड का असर बढ़ सकता है।